SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM (Tamil Nadu): There a adjournment of the House for many days, and that is why we want the statement today itself.

THE DEPUTY CHAIRMAN: This is a matter where there should not be any controversy.

श्री राम अवधेश सिंह (बिहार) : सरकार के पास कोई न कोई सूचना तो होगी ही न। वहां के चीफ सेक्रेटरी ने भारत सरकार को कुछ सूचना तो दी ही होगी।

SHRI PARVATHANENI UPENDRA (Andhra Pradesh): Even on such things they make a controversy. We are only asking for a statement. (*Interruptions*). Why should you make it a controversy?

THE DEPUTY CHAIRMAN: I am on my legs. Why do you start quarrelling? There can be no controversy on such an issue. This will be conveyed to the Government and they will come with a statement.

Now we take up Question No. 341.

ORAL ANSWERS TO QUESTION

राजस्थान में बिजली उत्पादन

*341. **श्री सन्तोष बागड़ोदिया** : क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में इस समय बिजली का कुल उत्पादन कितना है ;

(ख) क्या उत्पादन निर्धारित लक्ष्य से कम है ; और

(ग) यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गयी है ?

ऊर्जा मंत्रालय में विद्युत विभाग में राज्य मंत्री (श्री कल्पनाथ राय) (क) और (ख) राजस्थान में अप्रैल 1988–जुलाई, 1988 की अवधि के दौरान कुल 1105 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन हुआ, जो कि इस अवधि के 1051 मिलियन यूनिट के लक्ष्य से 5.1% अधिक था।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

SHRI SANTOSH BAGRODIA: Madam, Deputy Chairman, atomic power is the most modern system of generating power. In spite of that, Rajasthan is having a problem in regard to power for a number of years. Even though an atomic power plant has been set up in Rajasthan, both the units are not working properly. Can the hon. Minister tell me how far the atomic power plant set up in Rajasthan is responsible for this shortfall and how much additional power was diverted to Rajasthan from other States to meet the drought situation?

SHRI KALPNATH RAI: Madam, the power position in Rajasthan is satisfactory. But so far as the question of atomic power is concerned, it does not come under this Ministry.

SHRI SANTOSH BAGRODIA : Madam, I do not know on what basis the Minister feels that the power situation in Rajasthan is all right. A number of industries are closed because there is not enough power. I would request the hon. Minister to find out the details and let the House know later on. In the meantime, the second supplemntary I want to ask is, how much the large industries in the State, specially in places like Alwar, Bhilwara, Kota etc., had to suffer due to the diversion of power to meet the drought situation.

SHRI KALPNATH RAI: Madam, during the Seventh Plan, 385 MW including 172 MW hydel and 213 MW....

(*Interruptions*)

श्री राम अवधेश सिंह : आप हिन्दी में बोलिये ?

उपसभापति : आप बैठ जाइए । .....(व्यवधान)

Please sit down. Otherwise, it will not go on record.

श्री राम चन्द्र विकल : आप हिन्दी में बोलिये मिनिस्टर होकर आपको क्या हो गया ?

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: Madam, this sort of behaviour on the part of the hon. Member should be curbed.

श्री राम अवधेश सिंह : कल्पनाथ राय जी ... (व्यवधान)

उपसभापति : यह क्या बात है, आप क्या घर में बैठे हैं। प्लीज सिट डाउन।

(*Interruptions*)

SHRI V. GOPALSAMY: It has become customary for him... (*Interruptions*)

उपसभापति : बैठ जाइये । आप दोनों ही बैठ जाइये ।

SHRI V. GOPALSAMY: How can he compel the Minister to give his reply in Hindi?

श्री राम अवधेश सिंह : हिन्दी इनकी भाषा है .. (व्यवधान)

उपसभापति : राम अवधेश जी, आप बार बार झगड़ा मत कीजिये । हम आपको मना कर रहे हैं ।..... (व्यवधान) । आप बैठ जाइये ।

आप बैठ जाइये

श्री राम अवधेश सिंह : मैं नहीं बैठूंगा ।

उपसभापति : तो आपको हाउस से बाहर जाना पड़ेगा । .... (व्यवधान) आप बैठ जाइये । आप ऐसा नहीं कर सकते । आप बैठ जाइये , आप ऐसे नहीं कर सकते ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं नहीं बैठूंगा ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: You sit down.

श्री राम अवधेश सिंह : जिस भाषा में जो वोट मांगता है उसी भाषा में वह बोले ।

उपसभापति : हम जबर्दस्ती नहीं कर सकत हैं कि कौन सी भाषा में मिनिस्टर रिप्लायी दें । ... (व्यवधान) । आप बैठ जाइये ।

SHRI V. GOPALSAMY: Every day they are doing this thing.. (*Interruptions*)

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: This is stage-managed. Deliberately they are doing this.

SHRI V. GOPALSAMY: There should be a limit to this fanaticism.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down ... (*Interruptions*)

श्री कल्पनाथ राय : मैडम, 31.3.87 तक राजस्थान में...

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: Madam, we stage a walk out. He has compelled the Minister to reply in Hindi. This should not be allowed. The Minister was answering in English. He has compelled the Minister to reply in Hindi. Why does he change like this?

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please sit down... (*Interruptions*)...

SHRI V. GOPALSAMY: He is repeatedly doing this.

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: At least for this question, you direct him to reply in English.

SHRI V. GOPALSAMY: Last week also he did the same thing.

SHRI RAM AWADHESH SINGH: You don't talk to me.

SHRI V. GOPALSAMY: Mr. Kalpnath, you started in English. You should stick to it.

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: You started in English. Because of pressure from this side, you are changing.

SHRI V. GOPALSAMY: Had you started in Hindi, we would not have objected. But you started in English. Why should you change now?

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: I strongly object to it. Hindi is not a foreign language.

SHRI V. GOPALSAMY: It is foreign to me.

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: You make me illiterate by speak-in Hindi. It is more foreign. That is the statement of Rajaji.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: This is anti-national...*(Interruptions)*...

SHRI PARVATHANENI UPENDRA: Don't quarrel amongst yourselves. You tell the Chair.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You cannot compel the Minister to reply either in English or in Hindi. The choice is his in which language he wants to give the answer.

SHRI V. GOPALSAMY: But he started in English.

THE DEPUTY CHAIRMAN: You leave it to him. Please sit down.

SHRI ALADI ARUNA *alias* V. ARUNACHALAM: The Hindi lobby has pressurised the Minister under your very nose That is why I am saying this.

श्री राधाकिशन मालवीय : उपसभापति जी, यह मिनिस्टर के ऊपर डिपेण्ड करता है कि वह इंगलिश में बोलें या हिन्दी में रिप्लाय द ।

श्री कल्पनाथ राय : मैडम, 31.3.87 तक राजस्थान में 1670 मैगावाट कैपेसिटी थी । राजस्थान में 990 मैगावाट की कैपेसिटी के पावर हाउसेज स्थित हैं । बाकी एम0पी0 के चम्बल सिस्टम के हायडल स्टेशन्स, सतपुड़ा थर्मल स्टेशन व सेन्ट्रल स्टेशन्स एवं भाखड़ा ब्यास मैनेजमेंट बोर्ड सिस्टम से बिजली प्राप्त होती है । कोटा थर्मल स्टेशन का प्लांट लोड फैक्टर वर्ष 87-88 में 71.6 रहा व 1988 के अप्रैल जुलाई काल के लिये 58.7 रहा है जो आल इण्डिया औसत से अधिक है। राजस्थान को अपनी शेअर से अधिक पावर सप्लाय की गयी है, अप्रैल- जुलाई, 1988 के दौरान शार्टेज केवल 3.8 परसेंट रही है जो आल इण्डिया एवरेज करीब 9 प्रतिशत के मुकाबले बहुत कम है। कृषि क्षेत्र में 8 घंटे रोज बिजली दी गयी है । इंडस्ट्री सेक्टर मे श म को पीक अवर्स में ही रिस्ट्रक्सन किया गया था । सातवीं योजना में 385 में गावाट कैपेसिटी का लक्ष्य है , जो एक्सीड ही जायेगा । आठवी योजना में करीब 890 मैगावाट कैपेसिटी बढ़ाने का लक्ष्य है । टी0 एण्ड डी0 लासेस 23 परसेंट से अधिक है । "जनता" थर्मल स्टेशन (एन.टी.पी.सी.) , कोटा थर्मल में 210 मैगावाट की यूनिट-5, राजस्थान अणु बिजली परियोजना में 235 मैगावाट की अतिरिक्त यूनिट बीकानेर में "नेवेली लिग्नाइट कारपोरेशन" के माध्यम से लिग्नाइट परियोजना (240 मगावाट) मिनी हायडल प्लांट्स इन चम्बल एण्ड आय.जी.एन.पी. एरियाज-- यह सब आठवीं योजना के अन्त तक राजस्थान की पावर पोजीसन को बहुत सुदृढ़ कर देंगे ।

यह सही है कि अप्रैल-जुलाई, 1988 के दौरान कोटा थर्मल स्टेशन की यूनिट-2 में खराबी होने के कारण इसे बन्द

करना पड़ा तथा पिछले वर्ष सूखे के कारण हायडल प्रोजेक्टस से जनरेशन कम रहा, परन्तु राजस्थान एटोमिक पावर स्टेशन ने अच्छा कार्य किया व साथ ही दूसरे सिस्टम से बिजली पहुंचाई गई, तभी ग्रोस इण्डिया एवरेज के मुकाबले एनर्जी शार्टेज काफी कम रही।

श्री प्रमोद महाजन : महोदया, यह तो न हिन्दी में है और न अंग्रेजी में।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : महोदया, उत्तर ज्यादा विशालकाय है। उत्तर इतना विशालकाय नहीं होना चाहिये।

उपसभापति : जितना पावर प्रोडेक्सन हुआ है, उतना ही लम्बा उत्तर होना चाहिये।

श्री सन्तोष बागड़ोदिया: मैं तो बहुत कन्फ्यूजड हो गया हूं। अब यह बोलते हैं कि एटामिक पावर मेरी रिस्पनसिबिलिटी नहीं है फिर एकामिक पावर में जबाव दे रहे हैं मैं एडामिक पावर किससे पूछूं।

श्री भंवर लाल पंवार : उपसभापति महोदया, बड़ हर्ष का विषय है कि पिछल चार माह में राजस्थान ने क्षमता से अधिक बिजली का उत्पादन किया। मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि यह 1105 मिलियन यूनिट में आणविक थर्मल हाइड्रो और गैस का उत्पादन कितना-कितना हुआ जिससे कि 1105 हुआ। एक तो "अ" यह प्रश्न है और दूसरा पश्चिम जर्मनी के सहयोग से राजस्थान के जोधपुर जिले के गाम मथानिया में 30 मैगा वाट सौर ऊर्जा के बिजली घर स्थापित करने की घोषणा किये लम्बा समय हो गया है। उसका निर्माण कार्य कब से प्रारम्भ होगा और उसकी अनुमानित लागत कितनी है और निर्माण कार्य सम्पन्न किये जाने की अवधि कितनी है और क्या राजस्थान के प्रत्येक जिले में इस प्रकार के सौर ऊर्जा बिजली घर लगाने की योजना भारत सरकार के विचाराधीन है और इसके लिये, इन योजनाओं को पूर्ण करने के लिये, सौर ऊर्जा बांड्स जारी करके धन वसूल करेगी और जनता को सुविधा देगी कि बांण्ड्स खरीदने से सबधित राशि के बारे में किसी प्रकार की पूछताछ नहीं की जायगी।

श्री कल्पनाथ राय : मैडम कोटा यूनिट थर्मल 210 मैगावाट, स्माल हाइड्रो 50 मैगावाट, सेन्ट्रल सेक्टर आर.ए.पी.पी. एक्सटेंशन 235 मैगावाट राजस्थान लिग्नाइट थर्मल 240 मगावाट एन.टी.पी.सी. टरबाइन थर्मल 200 मैगावाट। उपसभापति महोदया, यह होता है और जो आठवीं पंजवर्षीय योजना में जो विचाराधीन हैं, उनमें कोटा थर्मल पावर स्टेशन एक्सटेंशन 210 मैगावाट रामगढ़ गैस टरबाइन स्टेशन 3 मैगावाट, मझोहाइड्रो इलैक्ट्रिक स्कीम 140 मैगावाट मौगरोल हाइड्रो इलैक्ट्रिक स्कीम 6 मैगावाट, चारन वाला हाइड्रो इलैक्ट्रिक स्कीम 2 मैगावाट, सूरतगढ़ हाइड्रो इलैक्ट्रिक स्कीम 4 मेगावाट, अनूपगढ़ हाइड्रो इलैक्ट्रिक स्कीम 9 मैगावाट, पुगल हाइड्रो इलैक्ट्रिक स्कीम 2 मैगावाट जाखम हाइड्रो इलैक्ट्रिक स्कीम 9 मैगावाट इस तरह से 385 मैगावाट बिजली बनाने की हमारी योजना है।

श्री राम अवधेश सिंह : महोदया मैंने इसलिये हस्तक्षेप किया था कि यह मूल सवाल हिन्दी में है। खैर, मैं तो यह पूछना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी यह बताने की कोशिश करेंगे ... हां, हां, कोशिश ही कह रहा हूं ...। **(व्यवधान)**।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : और बेचारे क्या कर सकते हैं।

श्री राम अवधेश सिंह : कि बिहा में कोएल कारो प्रोजेक्ट... **(व्यवधान)** ...

उपसभापति : यह सवाल जो है, हम नहीं एलाऊ करेंगे। यह सवाल राजस्थान के बारे में है, राजस्थान के बारे में ही पूछिए।

SHRI V. GOPALSAMI: The worst fanatic that Rajya Sabha has ever seen!

श्री राम अवधेश सिंह : ऊर्जा की कमी जैसे राजस्थान में है, वैसे बिहार में है ।

उपसभापति : बिहार में नहीं है इतनी । केवल राजस्थान के बारे में पूछिये आप ।

श्री राम अवधेश सिंह : मात्र बिहार में 315 मैगावाट अभी बिजली तैयार होती है...

उपसभापति : सवाल का जवाब नहीं दिया जायेगा । आप राजस्थान के बारे में ही पूछिए, जिसके बारे में ओरिजनल सवाल है । ...(*Interruptions*)... It is out of the purview of this question. It cannot be allowed. आप राजस्थान के बारे में पूछिए ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं मन्त्री जी से यह जानना चाहता हूं कि जो यह कोयल कारी प्रोजेक्ट है जिसमें मात्र चार सौ करोड़ रुपये खर्च होने वाले हैं, अभी तक लगातार उसको उलझाकर रखा है । जब सारी क्लीयरेन्स हो गई तो भी अफसर उस पर बैठे है और जो नश नल हाईडल प्रोजेक्ट के चैयरमैन हैं वे सारी टेक्नीकल क्लीयरेन्स के बाद भी इस पर बैठे हुए है । ऐसी स्थिति में क्या कोयलकारो प्रोजेक्ट के बारे में कुछ करने के लिए और उसमें शीघ्रता लाने के लिए मंत्री जी तयार हैं ।

डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला : मैं यहां की पावर के बारे में नहीं पूछ रही हूं, मैं माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहती हूं कि उन्होंने यह कहा कि एटोमिक उसमें नहीं आता है, यह बात मेरी समझ में नहीं आई, क्योंकि राजस्थान के अन्दर कोयला भी नहीं पैदा होता है और कोई नदी भी नहीं है जहां से हाइड्रो इलैक्ट्रिक जेनरेट हो सके । तो मैं माननीय मंत्री जी से सवाल पूछना चाहती हूं कि ... **(व्यवधान)** ।

श्री राम अवधेश सिंह : अभी तो मेरे सवाल का जवाब नही आया, आप बीच में आ गयीं ... **(व्यवधान)** ।

डा० (श्रीमती) नाजमा हेपतुल्ला : महोदया, पावर के तार जितने जुड़े होते है, बीच में ये काट देते है । मैं मंत्री जी से पूछना चाहती हू कि राजस्थान में कोयला भी नही है और कोई ऐसी दरिया भी नही है, रिवर नहीं है जिससे हाइड्रो इलैक्ट्रिक पावर बन सके, तो क्या सरकार दूसरी कोई प्रोजेक्ट सामने रख रही है, मौजूदा के अलावा, एटोमिक पावर की जेनेरेशन के लिये ?

श्री कल्पनाथ राय : मैडम, राजस्थान में अन्ता में जो गैस बैस्ड प्रोजेक्ट है सरकार के विचाराधीन है । उसके माध्यम से लिग्नाइट कारपोरेशन से बिजली पैदा करेंगे । गैस बैस्ड जो हजीरा लाइन बनी है, अन्ता में, सरकार आठवीं पचवर्षीय योजना में उसको ले रही है, जिसके माध्यम से राजस्थान में बिजली पैदा करेंगे ।

श्री विठ्ठलराव माधवराव जाधव : मैं आपके माध्यम से यह जानना चाहता हूं कि राजस्थान में जो एटोमिक पावर प्लान्ट है और थर्मल पावर प्लान्ट है और हाईड्रो पावर प्लान्ट है उनकी टोटल प्रोडक्शन पावर जैनरेशन की कितनी है और कितने प्रतिशत बिजली पैदा हो रही है और सातवी पंचवर्षीय योजना के आखिर में राजस्थान की कृषि की, उद्योग की और गृह की कितनी बिजली की आवश्यकता है और उसके अनुसार हम वहां बिजली सप्लाई करने की पोजिशन मे हैं या नहीं ?

श्री कल्पनाथ राय : मैडम, राजस्थान में इन्स्टाल्ड कैपेसिटी पावर जेनरेशन की, थर्मल की 220 मैगावाट कोटा मे. न्यूक्लीयर की 440 मैगावाट, हाईडल की राणाप्रताप सागर में 172 मैगावाट, जवाहर सागर में 99 मैगावाट, माही-सागर में 50 मैगावाट और अनूपगढ़ में 9 मैगावाट हैं । राजस्थान मे जो बिजली पैदा हो रही है, यहां अन्य प्रान्तों की अपेक्षा शार्टेज बहुत कम है । लेकिन

अगली पंचवर्षीय योजना में जो आन्ता में गैस बैस्ड प्लान्ट लगा रहे हैं, उसके बनने के बाद राजस्थान में बिजली की समस्या हल हो जायेगी और वह अपने पैरों पर खड़ा हो जायेगा।

DR. (SHRIMATI) SAROJINI MAHISHI: Sir, the Minister has mentioned that the total capacity of the atomic energy plant, the Rana Pratap Sagar energy plant was 440 megawatts. I want to know exactly the quantum of energy that is generated. He has mentioned the total capacity.

Madam, secondly, I would like to know how the cost of production of energy here compares with the international cost of production of nuclear energy. It is something like eigtht times or ten times more than the international cost of production of nuclear energy. How can they afford that?

SHRI A. G KULKARNI: Madam, the Prime Minister replies to questions on atomic energy. He is Minister for Power. He will reply to question on thermal power and hydel power.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Why are you wasting your energy?

DR. (SHRIMATI) SAROJINI MAHISHI: He is dealing with energy whether it is thermal energy or hydel energy or nuclear energy. What exactly is the quantity that is produced or generated and how does it compare with the international rate of power generation?

THE DEPUTY CHAIRMAN: He has stated that.

DR. (SHRIMATI) SAROJINI MAHISHI: How does it compare with the cost of production in other countries for producing nuclear energy? Is it 10 times more than the international rate?

THE DEPUTY CHAIRMAN: If the information is not available, you can say that you will give the information later on.

SHRI KALPNATH RAI: Madam, I can tell only how much power is generated out of the atomic power station. So far as the cost is concerned, it does not come under my Ministry.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Question No. 342.

*342. [*The questioner (Shri Murlidhar Chandrakant Bhandare) was absent. For answer* vide *col.* 30 *infra.*]

Improvement in the Working of Lucknow Telephones

*343. KUMARI SUSHILA TIRIA:†
SHRI KAPIL VERMA:

Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the prenomenal increase in the number of complaints by subscribers of Lucknow Telephones; if so, what are the reasons therefor; and

(b) what steps are being taken to improve the working of the telephone system at Lucknow?

THE MINISTER OF COMMUNICATIONS (SHRI BIR BAHADUR SINGH): (a) and (b) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) Yes Sir.

The central commercial areas are served by exchanges having the old strowger type of equipment most of which have been in service for long periods. These exchanges require consistent and considerable technical maintenance effort. Due to an agitational action on an all India basis by certain technical staff members since 26th July, 1988 the situation has slightly aggravated. A large number of cable faults have surfaced due to heavy rains this year after a spell of drought for two years. on account of damage of the cables by various other agencies.

†The question was actually asked on the floor of the House by Kumari Sushila Tiria.